अंक- 6 जनवरी - मार्च, 2014

जन पहल

अपनी बात/जनता की बात

साथियों ग्राम्या संस्थान ने वर्ष 2011 में डी0एफ0आई0डी0 एवं भारत सरकार के संयुक्त पहल पर पैक्स परियोजना की शुरुआत वाराणसी जनपद के दो प्रखण्डों सेवापुरी व बड़ागाँव के कुल 70 पंचायतों जिनमें कुल 124 गाँव में वंचित जन समुदायों के आजीविका की मूलभूत सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयत्न कर रही है। इस परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लक्षित समुदायों में कैसे नेतृत्व को उभारा जाय और क्षमताएँ बढ़ाई जाय जिससे परियोजना के बाद भी निरन्तरता बनी रहेगी। पैक्स के इन्हीं कार्यक्रमों की कड़ी में यह नियोजित किया गया है कि परियोजना क्षेत्र की परिस्थितियों और बदलावों को लक्षित समुदायों की भागीदारी से निगरानी कि जाए और उन्हें एक समाचार पत्र (न्यूज लेटर) के माध्यम से व्यापक फलक पर लाया जाए। तो इन्हीं सपनों के साथ आप लोगों के सामने जन पहल नामक न्यूज लेटर की शुरुआत किया गया हैं। जिसका **छठाँ अंक** आप लोगों के सामने है। हमारा प्रयास है कि इसके माध्यम से सूचनाओं का विस्तार हो व वंचित जनों के अधिकार की पैरवी करने में भी कारगर हो। जन पहल के अगले अंक में हमें आप के सुझावों का इन्तजार रहेगा। आप हमें इस नम्बर **09415201587** पर सम्पर्क कर सकते हैं या इस ईमेल आईडी **surendragramya@gmail.com** पर अपने सुझाव भेज सकते हैं। आपका सुझााव हमारे लिए उपयोगी होगा धन्यवाद।

आइये देखे ग्राम्या संस्थान की पहल-

आप लोगों ने पिछले अंक में पढ़ा होगा कि ग्राम्या संस्थान सेवापुरी ब्लाक के 61 पंचायत व बड़ागाँव ब्लाक के 9 पंचायत में गरीब, दलित व मुस्लिम समुदाय के साथ काम करती है इसी कड़ी में संस्थान द्वारा 124 गाँवों के बारे में जानकारी रखने का प्रयास कर रही है तथा उन जानकारियों को आप लोगों के समक्ष **जन पहल** के माध्यम से लाने का भी प्रयास करती हैं।

महिलाओं ने जाना अपना हक उठाया कदम-

आप लोगों ने पिछले अंक में पढ़ा होगा कि सेवापुरी ब्लाक व बड़ागाँव ब्लाक में महिला मंच बनाया गया है तथा ये महिला मंच अपने 5 मुद्दों पर (स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, मनरेगा, हिंसा) आवाज उठाने का काम कर रही है आइये आगे देखते है कि महिलाओं ने किस प्रकार से कदम उठाया हैं–

महिलाओं ने लिया संकल्प-

19 मार्च, 2014 को सेवापुरी ब्लाक के गोराई गाँव में महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत के प्रधान, विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य व महिला मंच की 250 महिलाओं ने भाग लिया। महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं ने

महिला सम्मेलन में बोलती महिलाएं

अपने–अपने गाँवों की समस्याओं पर खुल कर चर्चा कि साथ ही साथ अपनी सफलताओं की कहानी भी बताई कि हम अपने गाँव में कैसे सफल हुए जिसमें

मुख्य रूप से यह निकलकर आ रहा था कि जब हमने मिलकर कुछ काम किया हम वहाँ हम सफल रहे हैं और जहाँ हमने जानकारियों का प्रयोग किया वहाँ भी हम सफल हुए। अतः हमें मिलकर काम करने के बारे में सोचना होगा एक गाँव नहीं एक पंचायत नहीं हमें सभी पंचायत को जोड़कर एक साथ काम करना होगा। अन्त में महिलाओं ने इस सम्मेलन के मनरेगा पर हमें काम नहीं मिल रहा है इसलिए हम लोगों को मिलकर एक रणनीति बनाएं कि हम कैसे मनरेगा में 100 दिन का काम लेगें। इसके लिए हम काम मांगो अभियान शुरु करेगें। एक साथ सभी गाँव में लिखित आवेदन कर काम की माँग करेगें अगर हमारे काम का आवेदन नहीं लिया जाता है तो हम मनरेगा हेल्प लाईन का प्रयोग करेगे।

जिस पर महिलाओं को मनरेगा हेल्प लाईन नम्बर 18001805999 के बारे में जानकारी दी गई इसके बाद महिलाओं द्वारा संकल्प लिया कि अब हम मनरेगा हेल्प लाईन नम्बर का उपयोग करेगें तथा सरकार के मानक के अनुसार एक वर्ष में 100 दिन का काम ले के रहेगें।

महिलाओं ने उठाया 108 का लाभ-

ग्राम पंचायत बनौली में रहने वाली नीलम कुमारी को 16 जनवरी रात 2 बजे प्रसव पीड़ा होने लगा जिस पर उनकी सास अमरावती ने 108 पर फोन कर एम्बुलेन्स को बुलाया कुछ ही देर में 108 एम्बुलेन्स बनौली पहुँची। एम्बुलेन्स से नीलम व उसकी सास अमरावती, जेठानी व आशा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सेवापुरी पहुँची। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचने के बाद आशा द्वारा एक रुपये की पर्ची कटवाया गया और नीलम को भर्ती किया गया। उस समय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ए0एन0एम0 नहीं थी जिस पर दाई ने नीलम को देखा और दो घण्टे बाद बच्चा होगा ऐसा कह कर चली गई। कुछ ही समय बाद ए0एन0एम0 आई और नीलम को दर्द बढ़ाने वाली सुई लगाई और नीलम को आधे घण्टे बाद लड़की पैदा हुई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सेवापुरी में 24 घण्टे रुकने के बाद जब नीलम घर जाने के लिए तैयार हुई तो दाई ने अमरावती को बताया की ए0एन0एम0 द्वारा 150 रुपया सुई, दवा का पैसा मांगी हैं जिस पर नीलम की सास अमरावती ने कहा कि हमें पता है कि सरकारी अस्पताल पर केवल एक रुपया ही लगता है इसके अलावा एक पैसा नहीं लगता तो हम आप को क्यों पैसा दें अगर लगता है तो आप ए0एन0एम0 से कहिए कि वह लिख कर दे। हम अभी उनको पैसा दे देगें। अमरावती के इतना कहने पर दाई कुछ देर तक अमरावती से बहस करती रही और अन्त में हार मान कर चली गई। इसके बाद अमरावती ने दाई को बुलाकर गन्दगी साफ करने के नाम पर 50रु0 दिया और अपनी बहू नीलम को लेकर घर चली गई। कुछ दिनों के बाद आशा द्वारा नीलम को 1400 रू0 का चेक दिया गया।

आर०एस०बी०वाई का नामांकन-

10 जनवरी को फिनो कम्पनी द्वारा ग्राम्या संस्थान कार्यालय पर बैठक कर सेवापुरी नामांकन का रूट प्लान शेयर किया गया तथा नामांकन के दौरान मदद करने की बात कही गयी। जिसके आधार पर संस्थान द्वारा 11 जनवरी से 19 जनवरी तक सेवापुरी के 61 पंचायत में मदद की गई तथा 25 जनवरी व 26 जनवरी को बड़ागाँव में पुनः नामांकन किया गया जिसमें संस्थान द्वारा 5 पंचायत में मदद किया इस दौरान बड़ागाँव ब्लाक के कुल 7981 बी0पी0एल0

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना में नामांकन

परिवार से 5915 लोगों का कार्ड बना तथा सेवापुरी ब्लाक में कुल 13462 बी0पी0एल0 परिवार से 9405 लोगों का कार्ड बना और आज वह लोग इस स्मार्ट कार्ड का उपयोग कर रहें हैं जिसके कई उदाहरण हैं–

ग्राम्या संस्थान द्वारा सेवापुरी ब्लाक व बड़ागाँव ब्लाक की महिलाओं का 4 जनवरी से 7 जनवरी तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत बड़ागाँव ब्लाक के चयनित बलदेव अस्पताल में एक्सपोजर कराया गया। एक्सपोजर के दौरान 4 जनवरी को श्रीमती दुर्गावती देवी अस्पताल भ्रमण के लिए आई हुई थी वहाँ पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना में कार्ड के उपयोग के बारे में जाना तथा डा0 सुरेन्द्र अग्रवाल से मिल कर अपनी समस्या के बारे में बताया। दुर्गावती की समस्या सुनने के बाद डा0 सुरेन्द्र अग्रवाल ने दुर्गावती देवी को देखा तथा जल्दी ही इलाज करवाने के लिए कहा जिस पर दुर्गावती देवी ने डा0 से पूछा कि क्या हमारा इलाज आप राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के कार्ड से कर सकते हैं जिस पर डा0 ने दुर्गावती से कहा कि आप कल ही आइये हम आप का इलाज शुरू कर देते हैं।

5 जनवरी को दुर्गावती अपने पति राजाराम के साथ बलदेव अस्पताल में पहुँची जहाँ पर उन्हें भर्ती कर इलाज किया गया उनके सर में से 150 ग्राम का सिष्ट निकला। दुर्गावती पाँच दिन तक अस्पताल में भर्ती रहीं इस दौरान दुर्गावती को पहले दिन खाना

नहीं मिला जिस पर सुबह होते ही दुर्गावती ने डा0 के आने पर इसकी शिकायत की दुर्गावती के कहने पर डा0 द्वारा बताया गया कि हमने खाना देने वाली से कहा था हम अभी आप को खाना भेजवाते हैं। कुछ देर बाद ही दुर्गावती देवी को दोनों समय का खाना मिला व इसके बाद से चार दिनों तक दुर्गावती को अस्पताल द्वारा सभी सुविधाएं मिली और जाते समय उन्हें पाँच दिन की दवा, किराया 100 रुपया, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के कार्ड से 7000 रू0 काट कर कार्ड व स्लिप भी दिया गया ।

महिलाओं का एक्सपोजर-

वाराणसी जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत सेवापुरी ब्लाक के सूचीबद्ध प्रज्ञा अस्पताल, सरोजनी नायडू व बड़ागाँव ब्लाक के बलदेव अस्पताल में महिलाओं का एक्सपोजर करवाया गया। जिसमें स्मार्ट कार्ड के उपयोग, इलाज, सूचीबद्ध अस्पताल व बीमारियों के पैकेज के बारे में जानकारी दी गयी तथा बलदेव अस्पताल में महिलाओं का चेकअप कर निःशुल्क दवा भी कितरण किया गया। इसमें कुल 70 पंचायत से 259 महिलाओं थी। जिसमें से 201 महिलाओं के पास स्मार्ट कार्ड था तथा अन्य 58 महिलाओं के पास स्मार्ट कार्ड नहीं था ये सभी महिलाएं महिला मंच से थी।

सचल स्वास्थ्य चेतना वीडियो वैन ने दिया लोगों को जानकारी-

ग्राम्या संस्थान द्वारा वाराणसी जिले के सेवापुरी ब्लाक के 61 पंचायत व बड़ागाँव ब्लाक के 09 पंचायत कुल 70 पंचायत के 124 गाँव में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना पर लोगों को जानकारी देने का काम कर रही

सचल स्वास्थ्य चेतना वीडियो वैन

है। इसी कड़ी में सचल स्वास्थ्य चेतना वीडियो वैन से राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना पर गाँव वालों को **हरो जन की पीर** फिल्म दिखाकर जागरूक करने का प्रयास किया गया। वाराणसी जिले में इस वीडियो वैन को हरी झण्ड़ी दिखाकर 05 फरवरी को सर्किट हाउस से मुख्य विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद चौरसिया, कार्यकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आर0पी0 तिवारी एंव राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के नोडल अधिकारी डा0 बी0बी0 सिंह ने रवाना किया। जिसके बाद यह वीड़ियो वैन 05 फरवरी से 21 फरवरी तक 70 पंचायत के 73 गाँव में फिल्म दिखाया गया। इस वैन में हरों जन की पीर फिल्म दिखाई जा रही थी जिसके देखने के बाद लोगों को यह जानकारी हो रही थी कि अस्पताल में किस प्रकार से स्मार्ट कार्ड का उपयोग करते हैं साथ ही पर्चा का भी वितरण किया गया व टोल फ्री नम्बर **(180018004444)** भी दिये गये। जिसमें कुल 1647 महिलाएं, 2340 पुरुष, 2258 बच्चे व 199 स्टेक होल्डर (अध्यापक, आशा, ए0एन0एम0, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य (बी0डी0सी0), ग्राम पंचायत सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, रोजगार सेवक, रसोईयाँ, प्रेरक, सफाईकर्मी) ने भाग लिया।

महिलाओं ने विद्यालय प्रबन्धन समिति को जाना-

वाराणसी जिले में सेवापुरी ब्लाक के रामडीह सामुदायिक भवन में 29 मार्च से 30 मार्च तक दो

विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण

दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्य कुल 56 लोगों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में लोगों को विद्यालय प्रबन्धन समिति के नियम, कानून के बारे में बताया गया। जिस पर लोगों द्वारा निकल कर आया कि अभी कुछ विद्यालयों में विद्यालय प्रबन्धन समिति की बैठक नहीं होती है तथा कुछ विद्यालय पर नियमित रुप से बैठक नहीं की जाती हैं जिस पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों की भूमिका व जिम्मेंदारियों के बारे में बताया गया साथ ही यह भी बताया गया कि यह बैठक कितनी महत्वपूर्ण हैं। इसके बाद लोगों द्वारा तय किया गया विद्यालय प्रबन्धन समिति की नियमित बैठक हो इसके लिए हम लोग प्रयास करेंगे

तथा जहाँ पर अभी भी बैठक नहीं हो रहीं है वहा पर बैठक करवायेगें। इसी के साथ लोगों द्वारा यह भी तय किया गया कि हर दो महीने पर महिला मंच की महिलाएं ब्लाक स्तरीय बैठक करेंगी जिसमें वे अपने–अपने अनुभवों को एक दूसरे से साझा करेंगी।

महिलाओं ने जाना अपना हक उठाया कदम–

07 फरवरी 2014 को बरेमा प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को वजीफा बटना था जिस पर वहा के हेडमास्टर ने सुमित्रा देवी जो कि विद्यालय प्रबन्धन समिति की उपाध्यक्ष है फोन कर बरेमा प्राथमिक विद्यालय पर बुलाया जब सुमित्रा बरेमा प्राथमिक विद्यालय पर पहुँची तो वहाँ पर पहले से ही ग्राम प्रधान मौजूद थे जब उन्होंने सुमित्रा को देखा तो बोले कि तुम यहाँ पर क्या करने के लिए आई हो तुम्हें किसने बुलाया है। जिस पर सुमित्रा देवी ने प्रधान जी से कहा कि आप को किसने बुलाया है सुमित्रा की बातों को सुनने के बाद प्रधान ने कहा कि हम इस गाँव के प्रधान है और यहाँ पर बच्चों को वजीफा बॉटने के लिए आये हैं। तुम किस काम से आई हो जिस पर सुमित्रा ने प्रधान को बताया की हम विद्यालय प्रबन्धन समिति के उपाध्यक्ष हैं और हम भी बच्चों को वजीफा बॉटने आये हैं हमारी जिम्मेदारी है कि हम देखे कि बच्चों को वजीफा सही दिया जा रहा है या नहीं। सुमित्रा की बातों को सुनने के बाद प्रधान कुछ नहीं बोले तथा बच्चों को वजीफा बॉटा जब वजीफा बॅट गया तब सुमित्रा अपने घर चली गई।

जन उत्सव–

पैक्स ने उत्तर प्रदेश के सभी सी0एस0ओ0 के जन संगठनों का दो दिवसीय सम्मेलन किया। इस सम्मेलन

जन उत्सव उत्तर प्रदेश

का मुख्य उद्देश्य था कि सभी संगठनों के लोग एक मंच पर इकट्ठा होकर अपने अनुभवों को एक दूसरे से साझा करें और एक दूसरे के अनुभवों से सीखे कि हम कैसे संगठित होकर अपने मुददे पर आगे बढ़ सकते हैं। पैक्स द्वारा आयोजित जन उत्सव 12–13 मार्च को लखनऊ में आयोजित किया गया। इसमें लोकगीत, कठपुतली, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, जाति आधारित भेदभाव आदि पर जानकारी दी गयी। जिसमें उत्तर प्रदेश से 19 जिलों से संगठन के लगभग 2200 लोगों ने भागीदारी की। जन उत्सव में लोगों के संघर्ष की कहानियां थी, उनके अनुभव थे और सामानन्तर सत्र चलाकर शिक्षा, मनरेगा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, भेदभाव आदि मुद्दों पर समझदारी विकसित की गयी। सत्रों में लोगों ने अपने अनुभवों को साझा किया और साथ ही साथ विशेषज्ञों से सवाल भी पूछे कि कैसे हम इस अपने मुद्दे पर आगे बढ़े।

पायी जानकारी उठाई आवाज–

15 मार्च 2014 को महिला मंच की सदस्य बिन्दु के घर पर टीकाकरण हो रहा था तथा पोषाहार भी वितरण किया जा रहा है। उसी समय प्यारे वहाँ पहुँचे और अपने पोते का पोषाहर मांगने लगे जिस पर सहायिका ने प्यारे से कहा कि आप को पोषाहार नहीं मिलेगा सहायिका की बातों को सुनने के बाद प्यारे ने कहा कि हमको पोषाहार क्यों नहीं मिलेगा हमारे पोते का नाम तो आप लोगों ने अपने रजिस्टर में चढ़ा रखा है और पोषाहार नहीं देती हैं। हमें पता है आप लोग अपने घर से बच्चों को पोषाहार नहीं देती हैं हमारे बच्चों को सरकार दे रही है और आप लोग उनका भी हक मार रहीं हैं अब हम अपने बच्चे का हक आप को नहीं मारने देगें। प्यारे की बातों को सुनने के बाद सहायिका ने समझाते हुए कहा कि आप शोर मत मचाईये आप को पोषाहार मिल जायेगा लेकिन अभी खत्म हो गया है जब हमारे पास पोषाहार रहेगा हम आप को दे देगें। इसके दूसरे दिन ही सहायिका ने प्यारे को बुलाकर उनको पोषाहार दिया।

ग्राम्या संस्थान

एल0–40, वी0डी0ए0 कालोनी, चाँदमारी,
लालपुर–द्वितीय, पोस्ट–सारनाथ (लमहीं),
वाराणसी–221 007 (उत्तर प्रदेश)
फोन– 0542–2290120, 2290720
Email- bindu.gra@gmail.com,
bindugramya@rediffmail.com